Accredited by NAAC
with 'A' Grade

हिन्दी भाषा–साहित्य भवन,
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)–३६०००५

चोइस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) पाठ्यक्रम
एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य)
विवरण पत्रिका

हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट

एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम विवरण पत्रिका – २०१७

हिन्दी स्वाधीन भारत की राष्ट्रभाषा है। राष्ट्र की संस्कृति और आत्मचेतना की संवाहिका–भाषा भी हिन्दी है। अत: हिन्दी भाषा और साहित्य के अध्ययन–अध्यापन के माध्यम से भारतीय राष्ट्र को साकार व सिद्ध करने तथा स्वाध्याय शोध के माध्यम से ज्ञान के क्षितिजों को विस्तीर्ण करने के उद्देश्य से सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में सन् १९९५ में हिन्दी भवन की स्थापना की गई।

राजकोट नगर के पश्चिमांचल में रैया और मुंजका–दो ग्रामों के बीच में उच्च भूमिप्रदेश पर सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के सारस्वत सदन दृष्टिगोचर होते हैं।

एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करनेवाले छात्र–छात्राओं के लिए सामान्य नियम एवं जानकारी निम्नलिखित है।

१. एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने की अर्हता :

- सौराष्ट्र विश्वविद्यालय या किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अभ्यर्थी ने अनुस्नातक हिन्दी, गुजराती, अंग्रेजी एवं संस्कृत की पदवी परीक्षा कम–से–कम ५५ प्रतिशत या उससे अधिक अंकों से उत्तीर्ण की हो वे एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त की शैक्षिक योग्यता रखते हैं।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सात बिन्दु मानक पर 'बी' श्रेणी (ग्रेड) प्राप्त कर सफलतापूर्वक एम.ए. हिन्दी की उपाधि प्राप्त करने वाले (अथवा जहाँ कहीं भी ग्रेडींग प्रणाली अपनायी जाती है, वहाँ सात बिन्दु मानक पर समतुल्य ग्रेड) अभ्यर्थी एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- उपर्युक्त निर्दिष्ट एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने की योग्यता के अलावा किसी अभ्यर्थी जिनके पास किसी भारतीय संस्थान की एम.ए. (हिन्दी, गुजराती, अंग्रेजी एवं संस्कृत) उपाधि के समकक्ष ऐसी उपाधि है जो कि विदेशी शैक्षणिक संस्थान से है, जो कि किसी आकलन एवं प्रत्यायन एजेन्सी द्वारा प्रत्यायित है, जो शैक्षिक संस्थानों की अथवा ऐसे एक प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रत्यायित है, जो कि उस देश में किसी कानून के अंतर्गत अथवा निगमित है, ऐसे अभ्यर्थी एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लाभान्वित श्रेणी (नॉन–क्रिमिलेयर), पृथक रूप से निशक्त से सम्बन्ध है अथवा समय–समय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केन्द्र एवं राज्य सरकार के कमिशनों तथा सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा लिये गये निर्णयोंनुसार जिन अभ्यर्थियोंने अनुस्नातक (हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती एवं संस्कृत) उपाधि १९ सितम्बर, १९९१ के पश्चात् प्राप्त की हो ऐसे अभ्यर्थियों के लिए न्युनतम योग्यता ५५ प्रतिशत की जगह ५० प्रतिशत अथवा ५५ प्रतिशत में ५ प्रतिशत की छूट प्रदान की जाती है। यह योग्यता अनुग्रहांक के अतरिक्त अंक प्राप्ति के लिए मान्य रखी जाती है। जिन अभ्यर्थियों ने प्रतिशत की जगह ग्रेड प्राप्त किया हो, ऐसे अभ्यर्थी को ग्रेड में समतुल्य श्रेणी की छूट प्रदान की जा सकती है।

२. एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम समयावधि :

- एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम समयावधि कम–से–कम दो सत्र यानी एक वर्ष तथा अधिकतम पाँच वर्ष यानी दस सत्र की होगी, जिसमें पाठ्यक्रम संबंधी कार्य, अनुसंधान संबंधी कार्य, सत्रीय कार्य एवं आंतरिक मूल्यांकन को भी समाविष्ट किया जाता है।
- महिला एवं पुरुष निशक्त अभ्यर्थी (जिनकी निशक्तता ४० प्रतिशत से अधिक हो) उन्हें एम.फिल. हिन्दी पाठ्यक्रम के लिए अधिकतम एक वर्ष की छुट प्रदान की जायेगी। इसके अतिरिक्त महिला अभ्यर्थियों को संबंधित पाठ्यक्रम की समग्र अवधि में एक बार २४० दिन का मातृत्व अवकाश/शिशु देखभाल अवकाश प्रदान किया जा सकता है।

३. प्रवेश प्रक्रिया :

- सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की ओर से प्रवेश प्रक्रिया संबंधी सूचना अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय समाचार-पत्रों और देश के विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी समाचार पत्रों एवं सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रकाशित की जायेगी।
- एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता पूर्व निर्दिष्ट की गई है, यदि ऐसे अभ्यर्थी जो स्नातकोत्तर हिन्दी, गुजराती, अंग्रेजी एवं संस्कृत पाठ्यक्रम की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे अथवा हो चुके हैं, लेकिन उनका परिणाम विलंबित हो रहा है वे भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने के पश्चात् प्रवेश के समय स्नातकोत्तर उपाधि का परिणाम आने पर न्यूनतम अर्हता पूर्ण करते हैं।
- निम्नांकित मानक एवं संख्या के आधार पर पूर्व से पंजीकृत छात्रों की संख्या का विचार करते हुए हिन्दी विभागाध्यक्ष, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा वार्षिक आधार पर शोध-निर्देशक के अधीन संभवित रिक्तियों की प्रबंधनीय संख्या का निर्धारण विभागीय सदस्यों (स्टाफ काउन्सिल) के साथ परामर्श करके संबंधित कला-संकाय के अध्यक्ष के माध्यम से कुलसचिव, अनुस्नातक विभाग के पास भेजा जाएगा। रिक्ति के साथ विषय या विभाग से संबंधित व्यापक क्षेत्र जिसमें उपलब्ध निर्देशकों, विभाग की मूलभूत सुविधाएँ, विभागीय ग्रंथालय, अकादमिक सुविधाएँ एवं अनुसंगी क्षेत्र की सुविधाओं का भी ख्याल रखा जाएगा।

  शोध-छात्र निर्देशक की संख्या-गणना :

  - यदि निर्देशक आचार्य (प्रोफेसर) हैं, तो वे तीन से अधिक शोध-छात्रों को मार्गदर्शन नहीं दे पाएगा।
  - यदि निर्देशक उपाचार्य (एसोसिएट प्रोफेसर) हैं, तो वे दो से अधिक शोध-छात्रों को मार्गदर्शन नही दे पाएगा।
  - यदि निर्देशक प्राध्यापक या सहायक आचार्य (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) हैं, तो वे एक से अधिक शोध-छात्रों को मार्गदर्शन नही दे पाएगा।
- एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों का निर्धारण पर्याप्त समय से पूर्व करके, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय तथा हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा।
- एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने के लिए प्रवेश परीक्षा का निर्धारण किया गया है। प्रवेश परीक्षा का आयोजन हिन्दी भवन, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय में किया जाएगा।
- प्रवेश परीक्षा अर्हक परीक्षा होगी जिसमें ५० प्रतिशत अर्हता अंक होंगे।
- प्रश्नपत्र में विषयाधारित १०० अंकों के १०० प्रश्न पूछे जाएँगे, जिसमें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम में से संबंधित प्रश्न होंगे। प्रश्नपत्र की समयावधि २ घण्टे की होगी। इनमें ऋणात्मक अंक नहीं होंगे।
- एम.फिल. (तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का अंकों एवं श्रेणीवार योग्यताक्रम (मेरीट) के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त भवन विश्वविद्यालय के नियमों और राष्ट्रीय / राज्य स्तर पर स्वीकृत और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के आरक्षण के नियमों जो अनुस्नातक-शिक्षा अनुसंधान विभाग (पी.जी.टी.आर.) के मार्गदर्शन द्वारा समय-समय पर तैयार किये गए अनुच्छेदों का अनुसरण करेगा।
- हिन्दी भवन के कार्यालय का समय छुट्टियों को छोड़कर सोमवार से शनिवार, सुबह ०८ :३० से ११:३० तक रहेगा।
- एम.फिल. के छात्रों के लिए प्रत्येक शैक्षिक सत्र में कम-से-कम ७५ प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है, अन्यथा सत्र रद्द किया जाएगा।
- प्रवेश प्राप्त छात्र-छात्राओं के लिए विश्वविद्यालय-छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

➢ हिन्दी भवन के अध्यापक गण :

डॉ. बी. के. कलासवा (एम.ए., पीएच.डी.)
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिन्दी भवन,
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
मो. 9879725440, 9687692919

डॉ. एस. के. मेहता (एम.ए., पीएच.डी.)
प्रोफेसर,
हिन्दी भवन,
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
मो. 9925124442, 8401455500

डॉ. एन. टी. गामीत (एम.ए., पीएच.डी.)
प्रोफेसर,
हिन्दी भवन,
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट
मो. 9427519885, 8469960503

दिनांक :- / /२०१७

➢ सत्र शुल्क विवरण :

विवरण	प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र
सत्र शुल्क	5000/-	5000/-
प्रतिमूर्ति धन	100/-	
ग्रंथालय शुल्क	125/-	125/-
ग्रंथालय जमा राशि	250/-	
पंजीकरण शुल्क	175/-	
स्पोर्ट्स विकास फंड	10/-	
विद्या विकास फंड	100/-	
साहित्य सामग्री शुल्क	100/-	100/-
कुल	5860/-	5225/-

डॉ. बी. के. कलासवा
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
हिन्दी भवन,
सौराष्ट्र विश्वविद्यालय,
राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

क्रम	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक/ मौखिकी अंक	कुल अंक	पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम							
	स्नातक अनुस्नातक अनुपारंगत विद्यावाचस्पति		CHN (मुख्य) EHN (ऐच्छिक)								वर्ष	विद्याशाखा	विषय	पाठ्यक्रम ईकाई	कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	विकल्प
१	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1001 (मुख्य)	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया	०१	०४	३०	७०	–	१००	१७	०१	०३	०१	०२	०१	०१	०१
२	अनुस्नातक	प्रथम	CHN-1002 (मुख्य)	तुलनात्मक साहित्य	०२	०४	३०	७०	–	१००	१७	०१	०३	०१	०२	०१	०२	०१
३	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार	०३	०४	३०	७०	–	१००	१७	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०१
अथवा																		
५	अनुस्नातक	द्वितीय	EHN-1001 (ऐच्छिक)	साहित्यिक कृतियाँ	०३	०४	३०	७०	–	१००	१७	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०२
६	अनुस्नातक	द्वितीय	CHN-1003 (मुख्य)	लघुशोध प्रबंध लेखन	०४	०४	–	२००	–	२००	१७	०१	०३	०१	०२	०२	०४	०१

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1001 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१७	०१	०३	०१	०३	०१	०१	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1001 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- पाठ्यक्रम संबंधी शोध–प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करें ।
- छात्रगण शोध के विविध आयामों को समझें ।
- पपाठ्यक्रम संबंधी छात्रगण शोध–प्रबंध का प्रारूप समझे ।
- छात्रगण शोध–विषय की विविध शोध पद्धतियों का ज्ञान प्राप्त करें ।
- पाठ्यक्रम संबंधी छात्र शोध–प्रबंध के विश्वविद्यालय के नियमों को जानें ।
- छात्रगण कृति की समालोचना के बारे में विस्तार से जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक	क्रेडिट
				नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१ अनुसंधान	▪ अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व एवं उद्देश्य	▪ अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियाँ	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
		▪ अनुसंधान के प्रकार : – साहित्यिक अनुसंधान – तुलनात्मक अनुसंधान – क्षेत्रीय अनुसंधान – मनोवैज्ञानिक अनुसंधान – ऐतिहासिक अनुसंधान – शैली–वैज्ञानिक अनुसंधान – भाषा–वैज्ञानिक अनुसंधान – समाजशास्त्रीय अनुसंधनान ▪ अनुसंधान : शोध और आलोचना	▪ अनुसंधान की प्रक्रिया ▪ अनुसंधान के विविध सोपान ▪ शोध के पर्यायवाची शब्द ▪ शोध निर्देशक के गुण ▪ शोधार्थी के गुण		
		▪ हिन्दी अनुसंधान में सम्बन्ध–विषयों की भूमिका	▪ पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत		
		▪ हिन्दी शोध–प्रबंध का प्रारूप			
	ईकाई–२ समालोचना	▪ साहित्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ साहित्य का महत्त्व, उद्देश्य एवं प्रकार		
		▪ समालोचना : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	▪ समालोचना के प्रकार :– साहित्यिक समालोचना – अवलोकनीय समालोचना – सर्वेक्षणात्मक समालोचना – प्रश्नावली/मतावली सर्वेक्षण समालोचना		
		▪ साहित्यिक समालोचना – गद्य–कृतियों की समालोचना – पद्य–कृतियों की समालोचना – गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना	▪ गद्य कृतियों की समालोचना – नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण की समालोचना		
		▪ पद्य कृतियों की समालोचना – महाकाव्य, खण्डकाव्य, –गीतिकाव्य, वीरकाव्य, – स्फूटकाव्य आदि की समालोचना	▪ गद्य–पद्य कृतियों की समालोचना : चम्पू काव्य की समालोचना		
	ईकाई–३ पुस्तक समालोचना	▪ प्रस्तावना (कृतिकार की प्रतिष्ठा, रचना काल, वैचारिकता आदि का संक्षिप्त ब्यौरा)	▪ कृतिकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व		
		▪ कृति (समालोचना संबंधी) की संक्षिप्त कथावस्तु	▪ कृति का रचना समय		
		▪ कृतिकार पर अन्य साहित्य–सर्जक एवं विचारकों का प्रभाव	▪ कृति में कृतिकार की वैचारिकता		
		▪ रचना की समकालीनता	▪ कृति द्वारा कृतिकार का भाव–बोध		
		▪ कथा, पात्र, संवाद, वातावरण द्वारा समाज का संदेश	▪ कृति का निष्कर्ष–निष्पादन		
		▪ समापन			
	ईकाई–४ शोध–प्रबंध प्रविधि	▪ शोध–प्रबंध का मुखपृष्ठ–स्वरूप एवं टंकण	▪ शोध–प्रबंध की प्रामाणिकता–प्रमाणपत्र – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी प्रमाणपत्र – निर्देशक का घोषणापत्र – शोधार्थी का घोषणापत्र – निर्देशक एवं शोधार्थी का शोध–सत्यापन प्रमाणपत्र		

		▪ शोध-प्रबंध की प्रस्तावना – विषयचयन – विषयचयन की प्रेरणा – शोध-विषय का महत्त्व – शोध-विषय की विशेषता – शोध-विषय की प्रासंगिकता – पूर्ववर्ती शोध-कार्य – परवर्ती शोध-कार्य – सामग्री-संकलन – शोध-प्रबंध का अध्याय विभाजन – अनुक्रमणिका – पृष्ठ-क्रमांक – पृष्ठ-सज्जा – शोध-पत्र प्रस्तुतिकरण – संदर्भ सूची – संदर्भ ग्रंथ सूची : आधार-ग्रंथ सहायक ग्रंथ-पत्र-पत्रिकाएँ-शब्दकोश -वेबसाईट-साक्षात्कार-चित्र-सज्जा-तस्वीर इत्यादि	शोध-प्रबंध प्रस्तुतिकरण ▪ शोध-प्रबंध रूपरेखा (सिनोप्सीस) : – टंकण कार्य – वर्ण-लिपि- वर्ण आकार-कद- हस्ताक्षर – शोध-प्रबंध रूपरेखा प्रस्तुत-शुल्क, सत्र शुल्क		
		▪ शोध-प्रबंध मौखिकी – प्रारंभिक विद्यावाचस्पति मौखिकी (Pre-Ph.D. Viva-voce) – विद्यावाचस्पति मौखिकी (Ph.D. Viva-voce)	▪ विद्यावाचस्पति घोषणापत्र (Ph.D. Notification)	
		▪ शोध-उपाधि प्रमाणपत्र (Ph.D. Degree Certificate)		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – प्रयोगात्मक अनुसंधान – साक्षात्कार समालोचना – पृष्ठ हांसिया – शोध-विषय की परिसीमा – क्रियात्मक अनुसंधान – निर्णयात्मक समालोचना – शोध-प्रबंध रूपरेखा प्रतियाँ – कृतज्ञताज्ञापन		०२	०७	१४
			कुल अंक	७०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शांति प्रकाशन, अहमदाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुसंधान की प्रविधि – डॉ. सावित्री सिन्हा – प्र. नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(२) हिन्दी संशोधन की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल – पंचशील प्रकाशन, जयपुर
(३) शोध-प्रविधि – डॉ. विनय मोहन शर्मा – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(४) शोध-तत्व और दृष्टि – सं. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
(५) हिन्दी अनुसंधान के आयाम – डॉ. राजूरकर, डॉ. वोरा – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(६) नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलक सिंह – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
(७) तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. राजपाल वोरा – डॉ. रजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
(८) हिन्दी अनुसंधान – डॉ. विजयपालसिंह – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(९) The art of Literary Research- Richard D. Altick (Norten & Co. Newyork)
(१०) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया – सं. विनयकुमार पाठक – मितल एण्ड संस, ८०-विजय ब्लोक, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-११००९२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1002 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	तुलनात्मक साहित्य								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०१	०२	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०१	CHN-1002 (मुख्य)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य क्या है, इसको जानें ।
- छात्रगण के लिए तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि सस्पष्ट हो ।
- छात्रगण तुलनात्मक अध्ययन कैसे किया जाता है, उससे विदित हों ।
- छात्रगण तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझें ।
- छात्रगण भारतीय साहित्य का अध्ययन कर भारतीयता का स्वरूप समझें ।
- छात्रगण विश्व साहित्य की अवधारणा को समझते हुए तुलनात्मक साहितय और संस्कृति का स्वरूप समझें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
			नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	तुलनात्मक साहित्य का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
		तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परिधि		
		तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि		
		तुलनात्मक साहित्य की ऐतिहासिक और तात्त्विक अनिवार्यता		
	ईकाई–२	तुलनात्मक साहित्य उत्कर्ष में हिन्दी का योगदान		
		तुलनात्मक साहित्य और सामान्य साहित्य का अंत:संबंध		
		तुलनात्मक साहित्य और तुलनात्मक भारतीय साहित्य		
		तुलनात्मक साहित्य और संस्कृति		
	ईकाई–३	तुलनात्मक आलोचना का स्वरूप		
		तुलनात्मक आलोचना की कार्य–पद्धति		
		तुलनात्मक साहित्य में भारतीय साहित्य का योगदान		
		तुलनात्मक साहित्य का भविष्य		
	ईकाई–४	तुलनात्मक साहित्य का उद्देश्य		
		तुलनात्मक साहित्य और यूरोपीय साहित्य		
		तुलनात्मक साहित्य में अंग्रेजी की भूमिका		
		तुलनात्मक साहित्य और राष्ट्रीय एकता		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – अन्तर्विद्यावर्ती आलोचना – तुलनात्मक साहित्य समकालीन पद्धतियाँ – तुलनात्मक साहित्य का अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव – तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद – तुलनात्मक साहित्य और समाजशास्त्र – साहित्य का तुलनात्मक विज्ञान		०२	०७	१४
			कुल गुण	७०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. अनुवाद अनुभव अवदान – डॉ. आरसु – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. सूचना साहित्य अनुवाद की चुनौतियाँ – वास्वन – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. अनुवाद – मलयालम साहित्य मार्ग एवं मार्गदर्शन – आरसु – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. जनसंचार माध्यम दशा एवं दिशा – सुरेश कानडे – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
५. रोजगारपरक हिन्दी – डॉ. ईश्वर पवार – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
६. तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ – ऋषभ देव शर्मा – जगत भारती प्रकाशन, कानपुर
७. भारतीय साहित्य का भावसंसार – डॉ. आरसु, डॉ. परिस्मिता – जयभारती प्रकाशन, कानपुर
८. तुलनात्मक साहित्य – सिद्धांत और समीक्षा – डॉ. महावीरसिंह चौहान – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
९. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – चौधरी इन्द्रनाथ – नेशनल पब्लिशींग हाउस, दिल्ली
१०. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
११. तुलनात्मक साहित्य – परीख धीरू – गुजरात युनिवर्सिटी, अहमदाबाद
१२. तुलनात्म अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ – डॉ. भ. ह. राजूरकर – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
१३. तुलनात्मक साहित्याभ्यास (गुजराती अनुवाद) – बापट वसंत – अनुवादक –दवे जशवंती, मेहता जया प्र. एस.एन.डी.टी. युनिवर्सिटी, मुंबई ।
१४. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय संदर्भ – देसाई चैतन्य ।
१५. तुलनात्मक साहित्य नी दिशा मां – देसाई अश्विन – दिव्यानंद प्रकाशन
१६. भारतीय नवलकथा – जोषी रमणलाल – युनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद
१७. Indian Literature – Joshi Umashankar – Personal Pin counter Papurus, Culcutta
१८. The Idea of Indian Literature – Joshi Umashankar – Sahitya Academy, New Delhi.
१९. Aspects of Comparative Literature : Current Approaches – Indian Publishers & Distribution, New Delhi.
२०. Comparative Literature Studies – An Inroduction – Prawar S.S., Duch work London and New York, Branes and Noble.

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०१	
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे							
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे							

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें ।
- छात्रगण अनुवाद–प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो ।
- छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों । उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें ।
- छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें ।
- छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों ।
- छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट नियमित परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	अनुवाद अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
		अनुवाद के प्रकार		
		अनुवाद प्रक्रिया		
		अनुवाद के गुण		
	ईकाई–२	अनुवाद संस्कृति के दूत के रूप कें		
		अनुवाद कार्य और सांस्कृतिक संदर्भ		
		अनुवाद प्रवृति के इतिहास की रूपरेखा		
		अनुवाद की उपयोगिता एवं उपादेयता		
	ईकाई–३	अनुवाद प्रक्रिया में भाषाशास्त्र का महत्व		
		सर्जनात्मक और चिन्तनात्मक गद्य–कृतियों के अनुवाद और उसकी समस्याएँ		
		पद्यकाव्य के अनुवाद और उसकी समस्याएँ		
		अनुवाद विज्ञान, शिल्प एवं कला का अंत:संबंध		
	ईकाई–४	अनुवाद शैलियाँ		
		मुहावरें और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याएँ		
		विदेशी भाषाओं के अनुवाद की समस्याएँ		
		अनुवाद का भविष्य		
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – सांस्कृतिक शब्दों के अनुवाद की समस्या – अनुवाद में शैलीगत प्रणाली की समस्या – अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – पत्रानुवाद की समस्याएँ – नाट्यानुवाद की समस्याएँ – भावानुवाद – निबंधानुवाद – आँचलिक कथा साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ		०२	०७	१४
			कुल गुण	७०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।

★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।

★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।

★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : अनुवाद भारती
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, रोहतक

संदर्भ ग्रंथ :

(१) अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – कैलाश चंद्र भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

(२) अनुवाद विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्र. शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली

(३) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – सं. रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव और गोस्वामी, प्र. आलेख प्रकाशन, दिल्ली

(४) हिन्दी अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग – वासुदेवनंदन प्रसाद, प्र. भारती भवन प्रकाशन, पटना

(५) विदेशी भाषाओं से अनुवाद की समस्याएँ – भोलानाथ तिवारी, नरेश कुमार, प्र. प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS) कला संकाय

एम.फिल.(तुलनात्मक साहित्य) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१७

विषय	हिन्दी									
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	EHN-1001 (ऐच्छिक)									
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	साहित्यिक कृतियाँ									
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०३	०२		
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे								
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे								

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	EHN-1001 (ऐच्छिक)	०४	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :

- छात्रगण अनुवाद क्या है, इसको जानें ।
- छात्रगण अनुवाद–प्रक्रिया में अनुवाद कैसे किया जाय, उससे अवगत हो ।
- छात्रगण गद्य और पद्य कृतियों के अनुवाद करते समय किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है इससे परिचित हों । उन समस्याओं के यथासम्भव समाधान छात्रों को मिलें ।
- छात्रगण अनुवाद का भविष्य तथा सीमाओं को जानें ।
- छात्रगण सांस्कृतिक शब्दों, लोकोक्तियों और मुहावरों के अनुवाद से परिचित हों ।
- छात्रगण भविष्य में अनुवाद के क्षेत्र में रोजगारी के अवसरों से परिचित हों ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक	क्रेडिट
				नियमित परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	– नरेश मेहता : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'प्रवाद पर्व' के आधार राम का चरित्र–चित्रण	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	०४
		– 'प्रवाद पर्व' के आधार पर सीता का चरित्र चित्रांतकन	– काव्य नाटक के तत्त्वों पर आधार पर 'प्रवाद पर्व' का मूल्यांकन		
		– 'प्रवाद पर्व' का कथानक	– 'प्रवाद पर्व' का काव्य–नाटक के रूप में मूल्यांकन		
		– 'प्रवाद पर्व' में व्यक्त विचारधारा			
	ईकाई–२	– कनैयालाल माणकलाल मुन्ही : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'जय सोमनाथ' का कथानक		
		– 'जय सोमनाथ' के प्रमुख चरित्रों का चरित्र –चित्रण	– 'जय सोमनाथ' में व्यक्त इतिहास और कल्पना		
		– 'जय सोमनाथ' में व्यक्त विचारधारा	– 'जय सोमनाथ' उपन्यास की विशेषताएँ		
		– 'जय सोमनाथ' उपन्यास का तत्त्वों के आधार पर मूल्यांकन			
	ईकाई–३	– हर्षदेव : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'रत्नावली' का कथानक		
		– 'रत्नावली' नाटक का तत्वों के आधार पर मूल्यांकन	– 'रत्नावली' नाटक की विचारधारा		
		– 'रत्नावली' नाटक की विशेषताएँ	– 'रत्नावली' के प्रमुख चरित्रों का चरित्र–चित्रण		
	ईकाई–४	– बाप्सी सिदवा – व्यक्तित्व एवं कृतित्व	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' का कथानक		
		– 'एन अमेरीकन ब्रेट' के प्रमुख–चित्रण	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' में व्यक्त विचारधारा		
		– उपन्यास के तत्त्वों के आधार पर 'एन अमेरीकन ब्रेट' का मूल्यांकन	– 'एन अमेरीकन ब्रेट' में व्यक्त परिवेश		
		कुल अंक एवं क्रेडिट		७०	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'प्रवाद पर्व' शीर्षक की सार्थकतचा – 'प्रवाद पर्व' का भावपक्ष – 'प्रवाद पर्व' का कलापक्ष – 'प्रवाद पर्व' की अभिन्येता और रंगमंचीयता – 'प्रवाद पर्व' के गौण चरित्र – 'जय सोमनाथ' शीर्ष की सार्थकता । – 'जय सोमनाथ' में निरूपित विविध वर्णन – 'जय सोमनाथ' उपन्यास के गौण चरित्र – 'जय सोमनाथ' का संवाद योजना – 'जय सोमनाथ' उपन्यास का वातावरण–निरूपण – 'रत्नावली' शीर्षक की सार्थकता– अनुवाद में अनुकूलन की प्रक्रिया – 'रत्नावली' नाटक की संवाद–योजना – 'रत्नावली' नाटक की रस–योजना – 'रत्नावली' नाटक की अभिन्येता और रंगमंचियता – 'एन अमेरीकन ब्रेट' का शीर्षक की सार्थकता – 'एन अमेरीकन ब्रेट' के गौण चरित्र – 'एन अमेरीकन ब्रेट' की विशेषताएँ		०२	०७	१४
			कुल गुण	७०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : प्रवाद पर्व
लेखक : नरेश मेहता
प्राप्ति स्थान : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्य पुस्तक : जय सोमनाथ
लेखक : कनैयालाल मा. मुन्शी
प्राप्ति स्थान :

पाठ्य पुस्तक : रत्नावली
लेखक : हर्षवर्धन
प्राप्ति स्थान : पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

पाठ्य पुस्तक : एन अमेरीकन ब्रेट
लेखक : बाप्सी सिदवा
प्राप्ति स्थान : मील्कवीड एडिशन्स, Milkweed Editions, 1011 Washington Avenue South Open Book Building, Suit 300, Minneapolis (US), MN 55415-1246

संदर्भ ग्रंथ :

(१) સંસ્કૃત સાહિત્યનો ઈતિહાસ – ડૉ. જેટલી, ડૉ. પરીખ – સરસ્વતી પુસ્તક ભંડાર, રતનપાલ, અમદાવાદ–૧
(२) रत्नावली – प्रि. सी. एल. शास्त्री, प्रा. सुरेश दवे, सरस्वती पुस्तक भंडार, रतनापाला, अहमदाबाद–१
(३) हर्षचरित – (एक सांस्कृतिक अध्ययन) – पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद–१
(४) प्रसादोत्तर नाट्य साहित्य – डॉ. विजय बापट – मध्यप्रदेश हिन्द्वी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
(५) नरेश मेहता के खण्डकाव्य : एक अनुशीलन – प्रा. कविता शर्मा – पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
(६) उत्तरशती के हिन्दी काव्य नाटक (सृजन और सांस्कृतिक संदर्भ) – विजय कुमार 'सन्देश' – क्लासिकल पब्लिशींग कंपनी, २८, शोपिंग कोम्प्लेक्ष, कर्मपुराल दिल्ली–१५
(७) नरेश मेहता : कविता की ऊर्ध्वयात्रा – डॉ. राजकमल राय – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
(८) नरेश मेहता के मिथकीय खण्डकाव्य – डॉ. वर्षा शाह – विद्या प्रकाशन, सी–४४९, गुजैनी, कानपुर–२२

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)

चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)

कला संकाय (अनुस्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम

वर्ष – २०१६

नोट : ★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के लिए है ।

★ प्रस्तुत पाठ्यक्रम से प्रश्नपत्र पूछा नहीं जाएगा ।

★ यह पाठ्यक्रम केवल शोध–छात्र के शोध–प्रशिक्षण के लिए है ।

विषय	हिन्दी								
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	CHN-1003 (मुख्य)								
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	लघुशोध प्रबंध (व्यावहारिक)								
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०२	०२	०४	०१	

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
अनुस्नातक	०२	CHN-1003 (मुख्य)	०४	२००	–	२००

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय		अंक नियमित परीक्षार्थी	क्रेडिट नियमित परीक्षार्थी
अनुस्नातक	ईकाई–१	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – प्रथम बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – द्वितीय बैठक	केवल लघु–शोधप्रबंध तैयार करना होगा । २०० अंक बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन होगा ।	०४
	ईकाई–२	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – तृतीय बैठक	शोधकर्ता एवं शोध निर्देशक – चतुर्थ बैठक		
	ईकाई–३	शोधकर्ता एवं विषय निष्णांत – पंचम बैठक	शोधकर्ता एवं भवनाध्यक्ष – षष्ठ बैठक		
	ईकाई–४	शोधकर्ता एवं सह निर्देशक – सप्तम् बैठक	शोधकर्ता एवं परीक्षणकर्ता – अष्टम् बैठक		
		कुल अंक एवं क्रेडिट		२००	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय
अनुस्नातक	शोध–प्रपत्र	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा ।
	सेमिनार	किसी तीन सेमिनार में उपस्थित रहना होगा ।

हिन्दी भवन,

डोलरराय मांकड मार्ग, (युनिवर्सिटी रोड),

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात) - 360005

Ph. 0281-2574836, 0281-2578501, Ext. 437/438, Mo. 9879725440/9687692919

Email : deptthindi1995@gmail.com/bk_kalasva@yahoo.in

‘‘ निजभाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल ।
बिन निजभाषा ज्ञान के मिटे न हिय को शूल ।।’’

– भारतेन्दु